हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, गुरुवार 8 जनवरी 2026

तापमान

अधिकतम 15 .5 डिग्री
न्यूनतम 7 .0 डिग्री

12 शहर की सड़कों पर फिर बढ़ने लगे गोवंश...

12 रामतलाई तालाब को कब्जा मुक्त करने की...

खबर संक्षेप

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

कोसली। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। कोसली थाना पुलिस ने सड़क हादसे के बाद गत 1 जनवरी को केस दर्ज किया था। इस हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया था। उसके बयान पर पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने का केस दर्ज किया था। चालक मौके से फरार हो गया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में कोसली के हाथापोता मोहल्ला निवासी रणजीत को गिरफ्तार कर लिया।

मारपीट के मामलों में दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। रामपुरा थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में घायल पीड़ित के बयान पर 6 जनवरी को कई आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। बयान में मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए गए थे। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने आदर्श नगर निवासी हवासिंह और नवनीत को गिरफ्तार कर लिया।

दहेज उत्पीड़न के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने गत 30 दिसंबर को ससुराल पक्ष के खिलाफ केस दर्ज किया था।

चोरी का आरोपी प्रोडक्शन वारंट पर

धारूहेड़ा। थाना पुलिस ने चोरी के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने डूंगरवास में सोलर पैनल चोरी होने के बाद गत वर्ष 13 नंवबर को केस दर्ज किया था। पुलिस ने जांच के बाद इस मामले में राजस्थान के मुसारी निवासी आरिश को गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी को पुलिस ने वारदात के बाद ही गिरफ्तार कर लिया था।

हत्या के प्रयास मामले में एक गिरफ्तार

कुंड। थाना खोल पुलिस ने लगभग दो साल से फरार चल रहे हत्या के प्रयास मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मारपीट मामले में 25 अप्रैल 2024 को कई आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। कुछ आरोपियों को पुलिस ने केस दर्ज होने के बाद ही गिरफ्तार कर लिया था। महेंद्रगढ़ के अटेली निवासी हरविंद्र काफी समय से फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

एमटीपी एक्ट के तहत आरोपी चढ़ा हत्थे

धारूहेड़ा। पुलिस ने वर्ष 2023 में दर्ज एमटीपी एक्ट के तहत मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एमटीपी किट बरामद होने के बाद 14 अक्टूबर 2023 को केस दर्ज किया था। केस का एक आरोपी नूंह के जौरासी निवासी रोहित फरार होने में कामयाब हो गया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। अब आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

राजस्थान की ओर से लगातार आ रहा था पानी, केंद्रीय मंत्री गडकरी के साथ राव ने की बैठक

बीस दिन पहले तोड़ा गया था रैंप, अफसर साधे रहे चुप्पी, राव के हस्तक्षेप के बाद दोबारा बनवाया

राजस्थान विधानसभा चुनावों के दौरान बाबा बालक नाथ ने भी किए थे प्रयास

खास बातें

- राव के दूषित पानी पर तीखे तेवरों के बाद बुधवार को अधिकारियों की नींद टूट गई
- रैंप का निर्माण कार्य भारी पुलिस बल की मौजूदगी में शुरू हुआ
- लगभग दो दशक से भिवाड़ी के औद्योगिक क्षेत्र का केमिकल युक्त पानी धारूहेड़ा की ओर आता रहा है, जिससे इस क्षेत्र का भूमिगत जल तक दूषित हो गया है, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह मुद्दे को प्रमुखता से उठाते रहे

रेवाड़ी। धारूहेड़ा में दूषित पानी रोकने के लिए फिर से तैयार किया गया रैंप।

रेवाड़ी। धारूहेड़ा में तोड़े गए रैंप के गड्ढे भरती जेसीबी।

नरेन्द्र वत्स ▶▶ रेवाड़ी

राजस्थान के भिवाड़ी से आने वाले दूषित पानी को रोकने के लिए वर्ष 2023 में धारूहेड़ा के सोहना रैंप को राजस्थान के लोगों ने 17 दिसंबर को तोड़ दिया था। रैंप टूटने के बाद अधिकारियों ने इसका फिर से निर्माण कराने की बात कही थी, परंतु लगभग 20 दिन तक अधिकारियों ने चुप्पी साधे रखी। बीते मंगलवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी व दूसरे नेताओं के साथ दिल्ली में हुई मीटिंग में राव ने न सिर्फ दूषित पानी के समाधान पर गंभीरता दिखाई, बल्कि दो टूक शब्दों में राजस्थान का पानी धारूहेड़ा की सीमा में नहीं आने देने की बात कही। राव के दूषित पानी पर तीखे तेवरों के बाद बुधवार को अधिकारियों की नींद टूट गई। रैंप का निर्माण कार्य भारी पुलिस बल की मौजूदगी में युद्ध स्तर पर शुरू करा दिया गया।

भौगोलिक स्थिति के चलते पानी का प्राकृतिक बहाव भिवाड़ी से धारूहेड़ा की ओर होता है। लगभग दो दशक से भिवाड़ी के औद्योगिक क्षेत्र का केमिकल युक्त पानी धारूहेड़ा की ओर आता रहा है, जिससे इस क्षेत्र का भूमिगत जल तक दूषित हो गया है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने एक दशक से भी अधिक समय से दूषित पानी की समस्या का समाधान कराने के लिए गंभीरता से प्रयास किए। उन्होंने कई बार हरियाणा और राजस्थान के आला अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। पानी की समस्या का ठोस समाधान निकालने के निर्देश भी दिए, परंतु पूर्व में राजस्थान में कांग्रेस की सरकार होने के कारण समस्या का निदान करने में अड़चनें पैदा होती रहीं। राव के बार-बार बैठक लेने के बाद भी अधिकारी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सके थे। धारूहेड़ा व आसपास के गांवों के लोगों को लगातार जहरीले पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। पिछले विधानसभा चुनावों में राजस्थान में भाजपा की सरकार बनने के बाद इस समस्या का ठोस समाधान निकलने की उम्मीद जगी थी, लेकिन भाजपा की आंतरिक सियासत भी इसकी राह का रोड़ा बनती चली गई।

विशेष खबर

पूर्व सीएम ने कराया रैंप का निर्माण

राव के साथ छत्तीस का आंकड़ा रहने के कारण पूर्व सीएम मनोहरलाल ने अपने कार्यकाल में विधानसभा चुनावों को देखते हुए जुलाई 2023 में धारूहेड़ा कस्बे में आने वाले दूषित पानी का नजारा अपनी आंखों से देखा था। उन्होंने अधिकारियों को पानी का रास्ता रोकने के लिए तुरंत रैंप का निर्माण कराने के आदेश दिए थे। प्रशासन ने 31 जुलाई 2023 को रैंप का निर्माण कराया, तो राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए अपना ही पानी जान का जंजाल बन गया। इस रैंप के निर्माण से धारूहेड़ा क्षेत्र के लोगों को काफी हद तक राहत मिली, परंतु राजस्थान के लोगों के लिए रैंप बड़ी आफत बन गया।

बाबा बालकनाथ ने भी किया प्रयास

राजस्थान विधानसभा चुनावों के दौरान यह रैंप राजस्थान के तिजारा हलके के लोगों ने मुख्य मुद्दा बना दिया था। रैंप को लेकर भाजपा प्रत्याशी बाबा बालकनाथ को कुछ इलाकों में विरोध का सामना करना पड़ा था। हलके के लोगों की समस्या को देखते हुए बाबा बालकनाथ चुनावों के दौरान रैंप तुड़वाने के लिए खुद जेसीबी लेकर धारूहेड़ा पहुंच गए थे। अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद बाबा को बिना रैंप तोड़े ही लौटना पड़ा था। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने बाद में एक कार्यक्रम में बाबा बालकनाथ के समक्ष ही रैंप तोड़ने का प्रयास करने पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

पुलिस सुरक्षा के बावजूद तोड़ा रैंप

भिवाड़ी क्षेत्र के लोगों ने बीते दिनों दो बार महापंचायत का आयोजन किया था। इसके बाद पंचायत के प्रतिनिधिमंडल ने डीसी अभिषेक मीणा से मिलकर रैंप तुड़वाने की मांग की थी। डीसी ने दो टूक शब्दों में रैंप तुड़वाने से इन्कार कर दिया था। डीसी से मिलने आए लोगों ने खुद रैंप तोड़ने की चेतावनी दी थी, जिसके बाद रैंप की सुरक्षा में पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए थे। गत 17 दिसंबर की रात पुलिस सुरक्षा के बीच रैंप के एक हिस्से को तोड़ दिया गया, जिससे राजस्थान का पानी एक बार फिर से धारूहेड़ा के लोगों के लिए आफत बन गया।

दिल्ली बैठक के बाद एक्शन में अफसर

रेवाड़ी। बैठक में मौजूद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भूपेन्द्र यादव व राव इन्द्रजीत सिंह।

मंगलवार को नई दिल्ली में नितिन गड़करी के साथ केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, राजस्थान के सीएम भजनलाल व दूसरे नेताओं के साथ राव इंद्रजीत सिंह ने दूषित पानी के समाधान के लिए हुई बैठक में हिस्सा लेते हुए आक्रामक तेवर दिखाए थे। उन्होंने राजस्थान का एक बूंद भी दूषित पानी हरियाणा में नहीं आने देने की बात कही थी। राजस्थान सरकार की ओर से मार्च माह तक 450 करोड़ की लागत से एसटीपी बनाकर दूषित पानी रोकने का आश्वासन दिया गया। राव के तेवरों को देखते हुए प्रशासन ने भी बुधवार को तेजी से रैंप का निर्माण कार्य शुरू करा दिया।

राव के प्रयासों ने बनवा दिया रैंप

रैंप टूटने के बाद राजस्थान का पानी लगातार कस्बे में प्रवेश कर रहा था, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के प्रयासों से प्रशासनिक अधिकारियों ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में रैंप का निर्माण शुरू कराया है, जिससे कस्बे के लोग राव के आभारी हैं।

- कंवर सिंह यादव, चेयरमैन, नपा, धारूहेड़ा।

लोगों की समस्या के प्रति गंभीर

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह इलाके के लोगों की भलाई के लिए लगातार गंभीरता से प्रयास करते हैं। धारूहेड़ा के दूषित पानी को लेकर लेकर उन्होंने इलाके की आवाज को प्रमुखता से उठाया है। इसी के चलते धारूहेड़ा में दूषित पानी की समस्या का समाधान होने की उम्मीद जगी है।

- अनिल रायपुर, आजीवन सदस्य, इंसाफ मंच।

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा बोले

कोई व्यक्ति बाजार से सस्ता सोना देने की बात कहे तो हो जाएं सतर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने नागरिकों को सतर्क करते हुए कहा कि जिले में कुछ ठग गिरोह सस्ते दामों पर असली सोना देने का लालच देकर लोगों से धोखाधड़ी कर रहे हैं। गिरोह के सदस्य नकली सोना-सिक्के या सोने जैसी धातू दिखाकर लोगों से बड़ी रकम ऐंठ कर फरार हो जाते हैं।

गिरोह के लोगों को ठगने का तरीका

ठग सुनियोजित तरीके से लोगों से संपर्क कर सस्ता, पुराना व तस्करी का सोना बताकर असली दिखने वाले नकली सोने को बहुत कम कीमत में बेचने की पेशकश करते हैं। ये ठग अक्सर यह दावा करते हैं कि उन्हें किसी पुरानी इमारत या खेत की खुदाई के दौरान सोने का घड़ा या पुरानी ईंटें मिली हैं तथा खुद को बहुत गरीब या मुसीबत में फंसा बताकर, बाजार भाव से बहुत कम कीमत पर वह सोना बेचने की पेशकश करते हैं। फिर ये ठग लोगों को असली सोने का एक छोटा टुकड़ा चेक करने के लिए देते है, लेकिन सौदा होने पर पीतल या नकली धातू थमा कर फरार हो जाते है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा है कि अगर कोई व्यक्ति बाजार से बहुत कम दाम पर सोना देने की बात कहे, तो तुरंत सतर्क हो जाएं। सस्ते सोने के लालच में कभी भी अज्ञात व्यक्तियों से लेन-देन न करें, सोना हमेशा अधिकृत ज्वेलर्स से ही खरीदें।

चार आरोपियों की पहले ही हो चुकी है गिरफ्तारी

अपहरण कर युवक की हत्या करने के मामले में 5वां आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शहर थाना पुलिस ने युवक का अपहरण कर लाठी-डंडों से पीट-पीटकर कर हत्या करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव गोकलगढ़ निवासी महमपाल उर्फ लालू के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गांव भटेडा निवासी नितेश उर्फ चोटी ने अपनी शिकायत में बताया था कि बीते 15 अक्टूबर को दोपहर के समय वह अपने साथियों के साथ बाजार से सामान खरीदने के लिए गए थे। बाइक पर उसके साथी अंकित उर्फ चमन, मोहित व यश बैठे हुए थे और स्कूटी पर वह, उसका साथी विजय, प्रवीण व कुलदीप पंडित बैठे हुए थे। जब वह बाजार की तरफ जाने के लिए मोहल्ला नई बस्ती के पास पहुंचे तो वहां मन्नु सैनी उर्फ यश पहले ही अपनी बाइक लेकर खड़ा हुआ था और उसने उनके आगे आगे चल रही अंकित उर्फ चमन की बाइक को रुकवा लिया। बाइक को रूकवाते ही मन्नु सैनी ने दादागिरी दिखाते हुए गाली गलौच करना शुरू कर दिया, जिसकों लेकर उनका मन्नु सैनी से झगड़ा हो गया। उसके बाद मन्नु सैनी ने अपने भाई व अन्य साथियों को फोन कर दिया। दोबारा से झगड़ा होने के आशंका को देखते हुए वह अपने साथी प्रवीण उर्फ पीजी व कुलदीप पंडित को उनके गांव गुरावड़ा तक छोड़ने के लिए चल दिए। जब वह झज्जर चौक के पास पहुंचे तो पीछे से कुछ लड़के बाइक पर आते हुए दिखाई दिए। इसके बाद झज्जर फ्लाईओवर पर चढ़ने के बाद सामने से एक बोलेरो गाड़ी ने उनके आगे चल रही अंकित उर्फ चमन की बाइक को जान से मारने की नीयत से टक्कर मार दी।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी महमपाल।

दो दिन बाद हुए सूर्यदेव के दर्शन

पारा चढ़ने पर ठंड से मिली कुछ राहत

रेवाड़ी। बुधवार को शीतलहर से बचाव के साथ जाते हुए स्कूटी सवार।

सुबह के समय बादल छाने से कोहरे का असर रहा कम, प्रदूषण के स्तर में एक बार फिर वृद्धि होना शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

कोहरे और बादलों के बीच सूर्यदेव के दो दिन तक गायब रहने से कड़ाके की ठंड ने लोगों को जमकर परेशान किया। जब सूरज की चमक निकली तो हाड़ कंपाने वाली ठंड का असर कुछ कम हो गया। आसमान साफ होने के बाद दिन-रात के तापमान बढ़ गए। उत्तर दिशा से चलने वाली ठंडी हवाओं का असर बरकरार रहा, जिससे आने वाले दिनों में तापमान में कमी आने का अनुमान है। बुधवार को सुबह के समय आसमान में घने बादल छाए रहे। बादलों के कारण कोहरा गहरा नहीं पाया। कोहरे का असर काफी कम रहा, जिससे दृश्यता ज्यादा प्रभावित नहीं हुई। दो दिन से लोगों को सूरज के दर्शन नहीं हो रहे थे, जिस कारण दिन के समय भी कड़ाके की ठंड परेशान कर रही थी। सुबह के समय भी ठंड का असर ज्यादा बना रहा, परंतु दोपहर तक आसमान साफ होते ही तेज धूप खिल गई। धूप निकलने के बाद सर्दी का असर कुछ हद तक कम हो गया। अधिकतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 15.5 डिग्री पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान भी 1.0 डिग्री बढ़कर 7.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। हवा की गति 11 किमी प्रति घंटा रही, जबकि नमी का प्रतिशत 86 दर्ज किया गया। हाड़ कंपाने वाली ठंड का असर कुछ हद तक कम हो गया, जिससे आमजन को काफी राहत मिली रही। हवाओं की गति बढ़ने के कारण शीत लहर का असर शाम के समय बन गया, जिसके आगे भी बने रहने के आसार हैं। सर्द हवाओं और आसमान साफ रहने से पाला जमने की आशंका भी बनने लगी है। एक-दो दिन राहत के बाद हाड़ कंपाने वाली ठंड का असर फिर से देखने को मिल सकता है।

प्रदूषण का स्तर भी बढ़ने लगा

कोहरा साफ होने के बाद प्रदूषण का स्तर एक बार फिर से बढ़ना शुरू हो गया है। हवा में नमी का स्तर ज्यादा होने के कारण प्रदूषक कारक तत्व जमीन के आसपास मंडराने शुरू हो जाते हैं, जो एक्यूआई में तेजी से वृद्धि करते हैं। बुधवार को सुबह के समय धारूहेड़ा का एक्यूआई 286 दर्ज किया गया। धूप निकलने व हवाओं की गति बढ़ने के कारण शाम तक यह कम होकर 220 पर आ गया। आसमान साफ होने के बाद बारिश और बूंदाबांदी की संभावना भी कुछ दिनों तक नजर नहीं आ रही है।

सुविधा पंजीकृत किसान को सरकार की सभी कृषि संबंधित योजनाओं का मिलेगा लाभ

ग्राम सचिव और पटवारी गांवों में सरपंचों तथा नंबरदारों की बैठक कर इस बारे में देंगे जानकारी

एग्री स्टैक पोर्टल से प्रत्येक किसान की बनाई जाएगी वन प्रूफ आईडी: एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

किसानों के लिए अब केवल एक ही आईडी हरियाणा सरकार के कृषि विभाग की ओर से एग्रो स्टैक पोर्टल से बनाई जाएगी, जिसके माध्यम से पंजीकृत किसान को सरकार की सभी कृषि व इससे संबंधित व्यवसायों के लिए अनुदान और पीएम सम्मान निधि आदि लाभ दिए जाएंगे। कोसली एसडीएम विजय कुमार यादव ने बुधवार को लघु सचिवालय परिसर में आयोजित बैठक में ग्राम सचिवों और पटवारियों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एग्री स्टैक आईडी किसी भी सीएससी सेंटर पर निःशुल्क बनवाई जा सकती है। किसान खुद भी इसे अपने लैपटॉप या मोबाइल फोन से बना सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा सभी प्रकार की योजनाओं के लाभ किसान की एग्री स्टैक आईडी के माध्यम से प्रदान किए जाएंगे। एग्री स्टैक आईडी का एक फायदा यह है कि किसी भूस्वामी की जमीन गांव व आसपास अलग-अलग हिस्सों में है तो उसे एक ही फॉर्म में बतौर डाटा एकत्रित किया जा सकता है। इसलिए ग्राम सचिव और पटवारी गांवों में सरपंचों तथा नंबरदारों की बैठक आयोजित करें और उन्हें इसे बारे में जानकारी दें, जिससे कि अधिक से अधिक ग्रामीणों को इस एग्री स्टैक पोर्टल से जोड़ा जा सके।

रेवाड़ी। ग्राम सचिवों और पटवारियों को जानकारी देते एसडीएम विजय कुमार यादव।

सीएससी सेंटर पर भी बनवाएं आईडी

एसडीएम ने कहा कि अपनी यह आईडी बनवाने के लिए किसान खुद सीएससी सेंटर पर जाएंगे। उनके मोबाइल नंबर पर जो ओटीपी आए, उसे वह स्वयं सीएससी संचालक को सामने खड़े होकर बताएं। कहीं बाहर से सीएससी सेंटर का नाम लेकर कोई व्यक्ति घर बैठे हुए किसान को रजिस्ट्रेशन के लिए फोन करता है और ओटीपी देने को कहता है तो वह कोई ठग भी हो सकता है। खंड कृषि अधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि गांवों में बाकायदा मुनादी कराकर कृषि विभाग के अधिकारी और कर्मचारी किसानों की यह एग्री स्टैक आईडी बनवा रहे हैं। इस अवसर पर बीडीपीओ अनिल कुमार, गुणवत्ता नियंत्रक अधिकारी ईश्वर शेखर, ग्राम सचिव कर्मवीर सिंह, हरीश कुमार, कुलदीप, यशपाल, हिमांशु, नवीन पूनिया व जगबीर मौजूद थे।

मेडिसिन पैकिंग पर मौजूद इन इंडिकेशंस पर करें गौर

आप भी अकसर डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्शन पर या अपनी जानकारी के आधार पर मेडिकल स्टोर से दवा ले आते होंगे। लेकिन दवा लेते समय सावधानी रखें और उसकी पैकिंग पर दर्ज कुछ मार्क्स या इंडिकेशंस पर गौर करें। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

अवेयरनेस
प्रतिभा अग्निहोत्री

हम सभी को कभी न कभी किसी रोग के उपचार में डॉक्टर के पास जाना ही पड़ता है। अकसर देखा जाता है कि डॉक्टर का प्रिस्क्रिप्शन लेकर हम मेडिकल स्टोर पर जाते हैं और दवा लेकर चले आते हैं। कई बार कुछ दवाइयां बच भी जाती हैं और हम उन्हें उठाकर रख देते हैं। घर-परिवार में किसी अन्य सदस्य को वैसी ही बीमारी होने पर हम वही दवा उसे भी दे देते हैं या फिर प्रिस्क्रिप्शन देखकर अकसर मेडिकल स्टोर से बिना सोचे-विचारे, बिना डॉक्टर से कंसल्ट किए दवा खरीदकर खा लेते हैं। इससे कई बार दवा का रिएक्शन हो जाता है और तबियत बिगड़ भी जाती है। कुछ दवाइयां ऐसी होतीं हैं, जिन्हें विशेष बीमारियों के लिए ही दिया जाता है। इनकी स्ट्रिप या पैकिंग पर कुछ निशान बने या इंडिकेशन लिखे होते हैं, जिन पर हम कभी ध्यान ही नहीं देते, जबकि इन्हें जानना अत्यंत आवश्यक होता है। ऐसी कोई भी दवाई आपके घर में है तो इन्हें लेने से पूर्व डॉक्टरी सलाह अवश्य लें।

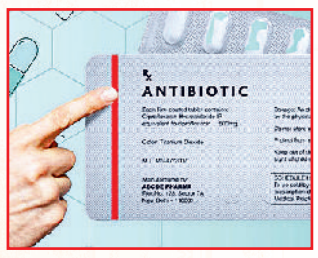

रेड कलर की लाइनः सभी एंटीबायोटिक दवाइयों पर साइड में लाल रंग की एक धारी बनी होती है, जिसका तात्पर्य होता है कि इन्हें डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्शन के बिना बेचा और खरीदा नहीं जा सकता। ये दवाइयां टी. बी., मलेरिया, यूरिनरी इंफेक्शन और एच. आई. वी. जैसी गंभीर बीमारियों में दी जाती हैं। रेड लाइन मार्क होने का उद्देश्य ही इनकी ओपेन सेलिंग पर रोक लगाना है।

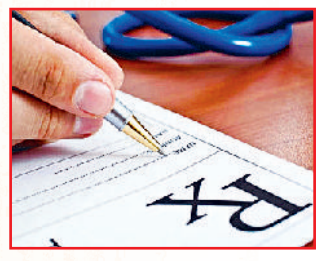

Rx(आरएक्स): कुछ दवाइयों के नाम के सबसे ऊपर साइड में आरएक्स लिखा होता है। इसका मतलब है कि ऐसी दवाइयों का सेवन केवल डॉक्टर की सलाह से ही किया जा सकता है। इसे केवल वही खरीद सकता है, जिसे डॉक्टर ने अपने पर्चे पर लिखकर दिया हो। ऐसी दवाएं अपने मन से खरीदकर नहीं खानी चाहिए।

NRx (एनआरएक्स): यह भी कुछ दवाइयों के नाम के सबसे ऊपर ही लिखा होता है। चूंकि ये नशीली दवाइयां होतीं है। इसलिए इन्हें केवल वही डॉक्टर प्रिस्क्रिप्शन पर लिख सकते हैं, जिन्हें इन्हें लिखने का लाइसेंस प्राप्त हो और लाइसेंस होल्डर मेडिकल स्टोर ही इनको बेच सकते हैं। मस्तिष्क संबंधी और मिर्गी जैसी गंभीर मानसिक बीमारियां इसी केटेगरी में आती हैं।

XRx(एक्सआरएक्स): एक्सआरएक्स मार्कड दवाएं सीधे मेडिकल स्टोर से नहीं खरीदी जा सकती हैं। ये केवल उन डॉक्टरों के पास होती हैं, जिनके पास इनका लाइसेंस होता है। इसे डॉक्टर सीधे मरीज को दे सकते हैं। एनेस्थीसिया में दी जाने वाली दवाइयां इसी श्रेणी में आती हैं।

H या Hx (एच या एचएक्स): जिन दवाओं की पैकिंग पर यह मार्क किया हुआ होता है, वे बहुत खतरनाक दवाइयां होतीं हैं। ये स्वास्थ्यकर्मियों के लिए भी खतरनाक होती हैं। कीमोथेरेपी की दवाइयां इसी श्रेणी में आती हैं। इसलिए इन्हें विशेष रूप से हैंडल करने की आवश्यकता होती है। ये दवाएं सीधे मेडिकल स्टोर से नहीं खरीदी जा सकती हैं।

शेड्यूल H1 (एच वन): यह प्रिंट भारतीय दवा कानून से संबंधित है। दवाओं की पैकिंग पर यह प्रिंट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यह दवाओं की एक विशेष श्रेणी है। इस प्रिंट की दवाएं हार्ड एंटीबायोटिक्स या ऐसी ही तेज दवाएं होती हैं। इन्हें बिना डॉक्टरी प्रिस्क्रिप्शन के नहीं खरीदा जा सकता। इनकी बिक्री के लिए मेडिकल स्टोर को अलग से परमिशन लेनी पड़ती है, उसका रिकॉर्ड रखना होता है।

दवा खरीदते समय इन इंडिकेशंस को ध्यान में रखना चाहिए और बिना डॉक्टर से कंसल्ट किए कोई दवा नहीं खरीदनी चाहिए। *

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. योगेश कुलकर्णी
हेड-गायनेकोलॉजिक ऑन्कोलॉजी, रोबोटिक सर्जन
कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

देश-दुनिया में हर साल लाखों महिलाएं सर्वाइकल कैंसर की चपेट में आती हैं। समय पर जांच और उपचार न करवाने से बड़ी संख्या में महिलाओं की डेथ भी हो जाती है। जबकि अगर शुरुआत से ही बच्चियों और महिलाओं को इसके प्रति अवेयर किया जाए और बचाव के सभी संभव उपाय अपनाए जाएं तो इससे बचाव और उपचार संभव है। सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस मंथ (जनवरी) पर इस बारे में दे रहे हैं बहुत उपयोगी जानकारियां।

सर्वाइकल कैंसर सुरक्षा के लिए अपनाएं बचाव के सभी उपाय

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार, सर्वाइकल कैंसर दुनिया भर में महिलाओं में होने वाला चौथा सबसे कॉमन कैंसर है। भारत में यह स्थिति और भी गंभीर है, जहां हर साल लगभग 1.25 लाख नए मामले सामने आते हैं और लगभग 75,000 महिलाओं की मृत्यु इस बीमारी के कारण हो जाती है। सबसे दुःखद बात यह है कि जानकारी के अभाव में अधिकांश महिलाएं अस्पताल तब पहुंचती हैं, जब बीमारी अंतिम चरण में होती है।

सर्वाइकल कैंसर का कारण

सर्वाइकल कैंसर, गर्भाशय के निचले हिस्से (जिसे 'सर्विक्स' या गर्भाशय ग्रीवा कहा जाता है) की कोशिकाओं में विकसित होता है। इस कैंसर का मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) है। यह वायरस यौन संपर्क के माध्यम से फैलता है। हालांकि शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अकसर इस वायरस से लड़ लेती है, लेकिन कुछ मामलों में यह वायरस वर्षों तक शरीर में बना रहता है और अंततः कैंसर का रूप ले लेता है। यदि एचपीवी संक्रमण को पहचाना नहीं गया और उसका समय पर इलाज नहीं किया गया, तो गर्भाशय ग्रीवा की असामान्य कोशिकाएं कैंसर का रूप ले सकती हैं।

वैक्सीनेशन से मिलती है सुरक्षा

सर्वाइकल कैंसर से बचने का सबसे प्रभावी तरीका एचपीवी वैक्सीन है। यह टीका शरीर में उन विशिष्ट (एचपीवी) वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी बनाता है, जो कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। इस बारे में कुछ बातें जानना आपके लिए बहुत आवश्यक है।

सही उम्रः टीकाकरण का लाभ तब सबसे अधिक होता है, जब यह वायरस के संपर्क में आने से पहले, यानी यौन सक्रिय होने से पहले दिया जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि 9 से 14 वर्ष की उम्र सबसे उपयुक्त होती है क्योंकि इस दौरान शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया सबसे मजबूत होती है। 15 से 45 वर्ष की महिलाएं भी यह टीका लगवा सकती हैं। हालांकि उम्र बढ़ने के साथ इसकी प्रभावशीलता थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन यह फिर भी कैंसर से सुरक्षा प्रदान करता है।

वैक्सीन डोजः वैक्सीन की डोज, महिला की आयु पर निर्भर करती है। 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की बच्चियों को 2 डोज लगवानी होती है। पहली डोज के 6 महीने बाद दूसरी डोज। जबकि 15 से 45 वर्ष आयु की किशोरियों और महिलाओं को 3 डोज लगावानी होती है। पहली डोज के 1-2 महीने बाद दूसरी और 6 महीने बाद तीसरी। यदि किसी महिला की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) बहुत कमजोर है, तो उन्हें डॉक्टर 3 खुराक की सलाह दे सकते हैं, भले ही उनकी उम्र 15 वर्ष से कम हो। स्वदेश निर्मित वैक्सीन लॉन्च हो चुकी है। यह वैक्सीन विदेशी टीकों की तुलना में काफी सस्ती है।

स्क्रीनिंग क्यों है जरूरी

सिर्फ वैक्सीन लगवाना ही काफी नहीं है। 30 वर्ष की आयु के बाद हर महिला को नियमित रूप से पैप स्मीयर या एचपीवी डीएनए टेस्ट करवाना चाहिए। ये टेस्ट कैंसर होने से पहले की स्थिति का पता लगा लेते हैं, जिससे समय रहते इलाज संभव हो पाता है।

ये लक्षण कभी न करें इग्नोर

शुरुआती चरणों में इस कैंसर के कोई विशेष लक्षण नहीं दिखते हैं लेकिन बीमारी बढ़ने पर कुछ लक्षण सामने आ सकते हैं।

- पीरियड्स के बीच में या शारीरिक संबंध के बाद असामान्य रक्तस्राव।
- मेनोपॉज (मासिक धर्म बंद होने) के बाद ब्लीडिंग होना।
- योनि (वेजाइना) से दुर्गंधयुक्त सफेद या गुलाबी पानी आना।
- पेल्विक एरिया (पेड़ू) में लगातार दर्द रहना।

सर्वाइकल कैंसर का उपचार

यदि किसी महिला में स्क्रीनिंग के दौरान सर्वाइकल कैंसर की पुष्टि होती है, तो इसका उपचार कैंसर के चरण (स्टेज), ट्यूमर के आकार और महिला की उम्र के आधार पर तय किया जाता है। यदि शुरुआती चरणों में पता चल जाए, तो यह पूरी तरह ठीक हो सकता है। उपचार के मुख्य तरीके निम्नलिखित हैं-

सर्जरीः जब कैंसर केवल गर्भाशय ग्रीवा (सर्विक्स) तक सीमित होता है, तो डॉक्टर सर्जरी की सलाह देते हैं।

कोन बायोप्सीः इसमें केवल कैंसर प्रभावित हिस्से को हटाया जाता है, जिससे महिला भविष्य में गर्भधारण कर सकती है।

हिस्टेरेक्टॉमीः इसमें गर्भाशय और ग्रीवा को पूरी तरह से निकाल दिया जाता है। यह आमतौर पर तब किया जाता है जब कैंसर फैलने का डर हो।

रेडिएशन थेरेपीः इसमें उच्च ऊर्जा वाली किरणों (जैसे एक्स रेज) का उपयोग कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए किया जाता है। यह दो तरह की होती है-

एक्सटर्नल बीम रेडिएशनः शरीर के बाहर से किरणों को ट्यूमर पर लक्षित किया जाता है।

ब्रेकीथेरेपीः इसमें रेडियोधर्मी सामग्री को शरीर के भीतर कैंसरग्रस्त भाग के पास रखा जाता है।

कीमोथेरेपीः इसमें शक्तिशाली दवाओं का उपयोग किया जाता है जो रक्त के माध्यम से पूरे शरीर में फैलती हैं और कैंसर कोशिकाओं को मारती हैं। अकसर बेहतर परिणामों के लिए रेडिएशन और कीमोथेरेपी को एक साथ (कीमोरेडिएशन) दिया जाता है।

टार्गेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपीः इसमें एडवांस्ड चरणों में, ऐसी दवाओं का उपयोग किया जाता है, जो केवल विशिष्ट कैंसर कोशिकाओं पर हमला करती हैं या शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर से लड़ने के लिए मजबूत बनाती हैं।

उपचार के बाद निगरानीः इलाज पूरा होने के बाद भी नियमित जांच अत्यंत आवश्यक है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कैंसर वापस नहीं आ रहा है। हेल्दी डाइट और डॉक्टर के बताए निर्देशों का पालन रिकवरी में मदद करता है।

इससे बढ़ता है रिस्क

मोटापा, सर्वाइकल कैंसर का जोखिम भरा कारक है। इसलिए इसे कंट्रोल करने के लिए संतुलित पौष्टिक आहार ग्रहण करना और नियमित रूप से व्यायाम करना आवश्यक है। जो महिलाएं मोटापे से ग्रस्त नहीं हैं, उन्हें भी अपनी उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए और अपने डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेकर हेल्दी डाइट ग्रहण करना चाहिए। किसी भी तरह का मादक पदार्थ और तंबाकू का सेवन हानिप्रद है। कई लोगों के साथ यौन संबंध बनाने से बचने और कंडोम का उपयोग करने से एचपीवी के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

रोकथाम में आहार का महत्व

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में स्वास्थ्यकर आहार की भी अपनी भूमिका है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर खाद्य पदार्थों जैसे, फलों और सब्जियों का नियमित रूप से सेवन करने से एचपीवी संक्रमण और गर्भाशय ग्रीवा में इसके कारण होने वाले सेलुलर परिवर्तनों से सफलतापूर्वक निपटने में मदद मिल सकती है। विटामिन-ए, विटामिन-सी, डी, ई, फोलेट और फ्लेवोनोइड जैसे पोषक तत्व गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाओं को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

फिटनेस
डॉ. माजिद अलीम

स्ट्रेचिंग केवल वार्मअप का तरीका नहीं होती है। इसे सही तरीके से रेग्युलर किया जाए तो इससे कंप्लीट एक्सरसाइज के फायदे हासिल किए जा सकते हैं। इससे क्या फायदे होते हैं, इसके प्रमुख प्रकार कौन से हैं, बता रहे हैं यहां।

कंप्लीट एक्सरसाइज है स्ट्रेचिंग

आमतौर पर मानते हैं कि स्ट्रेचिंग, सिर्फ यह होती है कि कमर झुकाओ और अपने पैरों को छू लो। स्ट्रेचिंग, वर्कआउट से पहले केवल वार्म-अप करना भी नहीं है बल्कि यह अपने आप में एक्सरसाइज है।

होते हैं कई फायदे

स्ट्रेचिंग से दिल और दिमाग रिलैक्स होता है और रोजमर्रा के जीवन के तनावों को दूर करने में मदद मिलती है। शरीर को भी इससे बहुत फायदा मिलता है। इसीलिए स्ट्रेचिंग को एक कंप्लीट एक्सरसाइज माना जाता है क्योंकि इससे शरीर में फ्लेक्सिबिलिटी (लचीलापन) बढ़ती है। स्ट्रेचिंग से मांसपेशियों और जोड़ों की रेंज ऑफ मोशन बढ़ती है, जिससे शरीर ज्यादा सक्रिय और लचीला बनता है।

बेहतर होता है ब्लड सर्कुलेशन

जब हम स्ट्रेच करते हैं, तो मांसपेशियों में रक्त प्रवाह बढ़ता है। यह ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की आपूर्ति बढ़ाकर ऊतकों की सेहत सुधारता है। इससे तनाव और मानसिक थकान भी कम होती है। धीमी और गहरी स्ट्रेचिंग, खासकर सांस पर फोकस के साथ, मानसिक तनाव को कम करती है। कई बार इसे मेडिटेटिव (ध्यानात्मक) गतिविधि के रूप में भी अपनाया जाता है।

मांसपेशियां होती हैं मजबूत

नियमित स्ट्रेचिंग से मांसपेशियों की लंबाई और संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है, जो शरीर की सही मुद्रा को सपोर्ट करता है। इसीलिए संतुलित फिटनेस कार्यक्रम की एक मुख्य कड़ी के रूप में स्ट्रेचिंग को चिन्हित किया जाता है। इससे चोट लगने का खतरा कम होता है, शरीर की मूवमेंट बढ़ जाती है, बॉडी रिलैक्स होती है, एक्सरसाइज परफॉर्मेंस बढ़ जाता है, पोस्चर बेहतर होता है और शरीर लचीला और सतर्क रहता है।

किसे स्ट्रेच करना चाहिए

स्ट्रेचिंग सभी के लिए अच्छी है। आपका रूटीन कैसा भी हो। स्ट्रेचिंग के लाभ अनगिनत हैं। क्योंकि स्ट्रेचिंग संतुलित फिटनेस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्ट्रेचिंग के लाभों के बारे में जो निरंतर शोधों से पुष्टि हो रही है, उससे प्रभावित होकर अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन ने संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ के लिए अपने दिशा निर्देशों में स्ट्रेचिंग को भी शामिल किया है।

एथलीट्स के लिए लाभदायक

लगातार दौड़ने से मांसपेशियों में अकड़ाहट बढ़ जाती है और लचीलापन कम हो जाता है। ऐसे में धावकों के लिए स्ट्रेचिंग न सिर्फ लचीलापन लाती है, बल्कि उनका सामान्य चोटों से भी बचाव करती है जैसे फुटबॉल से जुड़ी कमर की समस्या, कंधे में सूजन, टेनिस एलबो जिनका संबंध अन्य स्पोर्ट्स से है जैसे टेनिस, या घुटने की समस्या जो दौड़ने या स्क्वैश के कारण होती है।

कमर दर्द में कारगर

कमर के निचले हिस्से में दर्द का मुख्य कारण कम लचीलापन और हैमस्ट्रिंग्स होता है। ध्यान रखें कि जो मांसपेशी निरंतर सिकुड़ी हुई रहती हैं, उसे शांत करने के लिए अधिक ऊर्जा की जरूरत होती है। स्ट्रेचिंग से स्पाइन रिलैक्स होती है, जिससे मस्कुलर टेंशन दूर होती है। स्ट्रेचिंग से पोस्चर की अधिकतर समस्याएं मांसपेशियों में टाइटनेस के कारण खराब एलाइनमेंट की वजह से होती है। स्ट्रेचिंग से सॉफ्ट टिश्यु स्ट्रेचिंग रिएलाइन हो जाते हैं और पोस्चर ठीक रहता है। इसलिए स्ट्रेचिंग को फिटनेस रूटीन में जरूर शामिल करें।

कुछ इफेक्टिव स्ट्रेचिंग

आपको कुछ इफेक्टिव स्ट्रेचिंग के बारे में यहां बता रहे हैं।

कॉफ स्ट्रेचिंगः सीधा पैर आगे बढ़ाते हुए बड़ा कदम लें, सीधा पैर मुड़ा हुआ, उल्टा पैर सीधा अपने कूल्हों को आगे की तरफ मुड़े हुए घुटने की ओर बढ़ाएं। दोनों पैरों को आगे की ओर प्वाइंट करें और उल्टी एड़ी को जमीन पर लटकने दें। थोड़ी देर ऐसे ही रूकें और फिर साइड बदल लें। जांघ का अगला हिस्सा- सीधे खड़े हो जाएं। सीधे पैर को सीधे हाथ से पकड़ लें। अपने पैर को कूल्हे की ओर लाएं, घुटनों के साथ रखते हुए। थोड़ी देर रुकें और फिर दूसरे पैर से दोहराएं।

जांघ का पिछला हिस्साः एक पैर को आहिस्ता से उठाएं और किसी उठी हुई जगह पर रख लें, जैसे पार्क बैंच। अपने कूल्हों को स्क्वेयर रखते हुए, अपने पेट से झुकें और शरीर के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाएं। थोड़ी देर रुकें और फिर दूसरे पैर से इसी प्रक्रिया को दोहराएं।

वेस्ट स्ट्रेचिंगः पैरों को कंधे की सीध में चौड़ा कर लें, घुटने थोड़े से मुड़े हुए हों और पैर के अंगूठे सीधे प्वॉइंट करते हुए, सीधे हाथ को कूल्हे पर रख लें और उल्टे हाथ को सिर के ऊपर ले जाएं। आहिस्ता से वेस्ट पर बेंड करें साइड में और एक मिनट तक ठहरें। दूसरी साइड से भी ऐसा ही दोहराएं।

ऊपरी कमर की स्ट्रेचिंगः इसके लिए सीधे खड़े होकर आगे की ओर हाथों को ऐसे बांध लें कि कमर के ऊपरी हिस्से में स्ट्रेचिंग महसूस हो। स्ट्रेचिंग के दौरान सिर को नीचा करें ताकि चिन सीने के करीब आ जाए।

नेक स्ट्रेचिंगः अपना सिर दाईं तरफ झुका लें जिससे कान, कंधे के करीब हों फिर बीच में आ जाएं। अब दूसरी साइड से भी ऐसा करें।

कंधों का स्ट्रेचः सीधे हाथ को सीने पर समतल क्रॉस कर लें। बांया हाथ उस पर कोहनी के पास रख लें, सीधे हाथ को सीने की ओर खींचें।

चेस्ट स्ट्रेचिंगः बैठकर अपने दोनों हाथ कमर पर रखें फिर दोनों हाथों को आपस में बांध लें और हाथों को ऊपर उठाएं ताकि पेक्टोरल्स में स्ट्रेच महसूस हो। *

हर्बल जोन
रेखा देशराज

कुछ समय पूर्व जानकारी सामने आई कि हल्दी को 'हर्ब ऑफ द ईयर' चुना गया है। इससे दुनिया भर में हल्दी के औषधीय गुणों को और महत्ता मिलेगी। हल्दी में कौन से हैं वे विशेष गुण, जिनकी वजह से इसे यह तमगा मिला, आप जरूर जानना चाहेंगे।

दुनिया कर रही स्वीकार

हल्दी के औषधीय गुण

अंतरराष्ट्रीय जड़ी बूटी संघ (आईएचए) ने साल 2026 के लिए हल्दी को 'हर्ब ऑफ द ईयर' चुना है। यह एक पूर्व निर्धारित चयन है। दरअसल, आईएचए हर साल किसी एक जड़ी-बूटी को उसके औषधीय, पाक या सौंदर्य गुणों के कारण उस साल विशेष की जड़ी-बूटी का खिताब देता है और साल 2026 के लिए यह सेहरा हल्दी के सिर बंधा है।

इसलिए मिला यह तमगाः सवाल है, इस साल हल्दी को यह श्रेय क्यों मिला है? दरअसल, यह सदियों से आयुर्वेद की एक औषधीय जड़ी के साथ-साथ भारत में स्वाद और मसाले के रूप में प्रयुक्त होती रही है। इसके कई चिकित्सकीय और स्वास्थ्यरक्षक गुणों के कारण हाल के सालों में हल्दी पर जितने शोध हुए हैं, उतने शोध किसी और जड़ी-बूटी के हिस्से नहीं आए और इन शोधों से पता चला है कि हल्दी को हम जितना महत्वपूर्ण मानते हैं, वह उससे भी अधिक है। इसलिए आईएचए ने साल 2026 के लिए हल्दी को 'साल की जड़ी बूटी' के रूप में चुना है। इसके कारण अब हल्दी की लोकप्रियता पहले से कई गुना ज्यादा हो जाएगी।

कई रूपों में उपयोगीः हल्दी को सदियों से भारत और दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में स्वास्थ्य, सौंदर्य, मसाले और औषधि के रूप में जाना जाता रहा है। चूंकि पिछले कई सालों से हल्दी को लेकर दुनिया में कई तरह के शोध अध्ययन हुए हैं, जिनमें पाया गया है कि हल्दी इम्यूनिटी बढ़ाने, शरीर के सूजन को नियंत्रित करने और एंटीऑक्सीडेंट्स के गुणों से भरपूर होती है। इसलिए उसे इस साल जड़ी बूटियों की महारानी होने का गौरव हासिल हुआ है।

भारत में सर्वाधिक उत्पादनः दुनिया में जितनी हल्दी का उत्पादन होता है, उसमें 80 फीसदी हल्दी भारत में ही पैदा होती है। इसलिए दुनिया भर में जो हल्दी पाई जाती है, उसमें 70 से 80 फीसदी हिस्सा भारतीय हल्दी का ही होता है। अब क्योंकि हल्दी को इस साल की प्रमुख जड़ी-बूटी का खिताब मिला है, इस कारण इसका महत्व और बढ़ जाएगा। अभी तक हल्दी को लोग भारतीय मसाला या दादी-नानी का औषधीय नुस्खा माना करते थे, पर अब हर्ब ऑफ द ईयर टैग पाने के बाद यह फोक या लोकल मेडिसिन से निकलकर वैज्ञानिक और ग्लोबल वेलनेस के फ्रेमवर्क का मुख्य हिस्सा बन गई है। इस कारण अब हल्दी को स्टैंडर्ड हर्ब मान लिया गया है।

हो रहे हैं नए रिसर्चः अब दुनिया के दर्जनों यूनिवर्सिटीज में हल्दी को लेकर नए-नए एंगल से रिसर्च हो रहे हैं। अनेक फार्मास्युटिकल कंपनियां इसके विभिन्न उत्पादों का ट्रायल कर रही हैं। न्यूट्रास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट में भी हल्दी का कोई सानी नहीं है, क्योंकि हर्ब ऑफ द ईयर का तमगा पाने के बाद पूरी दुनिया इस पर निवेश करने के लिए तैयार है। यही कारण है कि हल्दी अब केवल किचन का हिस्सा नहीं है, यह लैब और क्लीनिक का भी विषय बन गई है। इस साल हमें हल्दी के कई नए उत्पाद देखने को मिलेंगे। जैसे- दुनिया की कई फार्मा कंपनियां, हल्दी आधारित इम्यूनिटी शॉट्स जैसा प्रोडक्ट लाने की तैयारी में हैं। स्किन केयर में हल्दी अब पूरी दुनिया में महत्वपूर्ण हर्ब मान ली गई है और इस साल दर्जनों स्किन केयर क्रीम हल्दी को लेकर आएंगी। स्पोर्ट्स न्यूट्रिएंट्स में भी अब हल्दी का भरपूर यूज किए जाने की उम्मीद है। माइक्रो-डोज, कैप्सूल, चाय आदि के नए रूपों में भी हल्दी सामने आ सकती है। *

नगर पालिका सफाई कर्मचारियों का धरना छठे दिन भी जारी

डीएमसी का आश्वासन...10 दिन में खाते में होगा एरियर, नहीं माने कर्मी

■ डीएमसी ने कर्मचारियों से की मुलाकात, 10 दिन का दिया समय

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों का अनिश्चितकालीन धरना छठे दिन भी जारी रहा। इस दौरान कर्मचारियों ने नगर पालिका प्रशासन और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हड़ताल के कारण शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई है, जिससे जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं और नालियां अवरुद्ध हो गई हैं। लोग सफाई व्यवस्था को लेकर नगर पालिका में शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। बिगड़ती सफाई व्यवस्था के बीच डीएमसी रणवीर सिंह नगर पालिका कार्यालय पहुंचे। उन्होंने सफाई कर्मचारियों से बातचीत की और 10 दिन का समय मांगा। डीएमसी ने आश्वासन दिया कि 10 दिनों के भीतर जांच कर एरियर उनके खातों में डाल दिया जाएगा।

हालांकि, सफाई कर्मचारी इस आश्वासन से संतुष्ट नहीं हुए। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनके छह साल (2017 से लंबित) का एरियर उनके खातों में नहीं डाल दिया जाता, तब तक उनका अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। डीएमसी रणवीर सिंह ने कहा कि 10 दिन के अंदर इनका एरियर दे दिया जाएगा। नगर पालिका सचिव से मेरी बातचीत हो गई है। बता दें कि महेंद्रगढ़ में नगर पालिका के सफाई कर्मचारी धरने पर बैठने के कारण शहर की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। छह दिन से शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, मुख्य सड़कों और आवासीय इलाकों में कचरे के ढेर लगे हुए हैं। नियमित रूप से होने वाली कचरा उठाने और नालियों की सफाई का काम ठप पड़ गया है। हालांकि नगर पालिका की ओर से पक्के व एचकेआरएन के कर्मचारी सफाई के कार्य में लगाए हुए, लेकिन कर्मचारियों की कमी के कारण पहले की तरह सफाई व्यवस्था सुचारू नहीं हो रहीं हैं।

महेंद्रगढ़। नगर पालिका कार्यालय में नारेबाजी करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

कई बार मिला झूठा आश्वासन

सफाई कर्मचारी प्रधान पूर्ण सिंह ने बताया कि वे दो जनवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं क्योंकि उन्हें 2017 से एरियर नहीं मिला है। कर्मचारियों ने बताया कि वे चार महीने पहले विधायक कंवर सिंह यादव से भी मिले थे, जिन्होंने 10 दिन में समस्या समाधान का आश्वासन दिया था। चार महीने बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिसके कारण उन्हें हड़ताल पर जाना पड़ा। पूर्ण सिंह ने बताया कि प्रदेश के अन्य जिलों के सफाई कर्मचारियों को एरियर मिल चुका है, जबकि महेंद्रगढ़ के कर्मचारियों को अभी तक नहीं मिला है। नगर पालिका प्रशासन की कमी और झूठे वादों के कारण वे इस लाभ से वंचित हैं। काफी बार वे अधिकारियों से इस बारे में बात कर चुके हैं, लेकिन हर बार झूठा आश्वासन दिया जाता है। इस मौके पर सफाई यूनियन प्रधान पूर्ण कुमार, धीरज, रिंकू, शम्मी, सुमित, राजेश, नसीब, विनोद, देवानंद, दीपक, सूबेसिंह, राहुल, गुलशन, चांदराम, सन्नी, घनश्याम, आशु, सुंदर, सुंडाराम, पंकज, राहुल, कविता, आरती, विष्णु, राजकुमार सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहें।

बकाया एरियर की मांग: नप सफाई कर्मचारियों का बेमियादी धरना जारी

नारनौल। प्रदर्शन करने नगर परिषद सफाई कर्मचारी तथा मंडी अटेली में हड़ताल पर बैठे नगर पालिका सफाई कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नगर परिषद सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर दुसरे दिन भी बुधवार काम छोड़ हड़ताल की। बता दें कि 2017 से 2023 तक का छह साल का बकाया एरियर की मांग को लेकर सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को काम छोड़ अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी थी। इस अवसर पर प्रदर्शन की अध्यक्षता हुए जिला प्रधान राहुल सरवन ने कहा कि जब तक एरियर का भुगतान नहीं किया जाएगा, तब तक काम छोड़ हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि आठ अगस्त 2025 को नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी व अधिकारीगण के कर्मचारीयों के बीच बैठकर बातचीत हुई थी। जिसमें आश्वासन दिया गया कि कर्मचारियों का एरियर 15 दिनों के अंदर उनके खाते में डाल दिया जाएगा, जबकि इस बातचीत को आज लगभग पांच महीने हो चुके हैं, लेकिन अभी तक एरियर नहीं दिया गया। जिसको लेकर कर्मचारियों में भारी रोष है। जिसके चलते कर्मचारियों ने हड़ताल करने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि दोपहर बाद नगर परिषद प्रशासन व कर्मचारियों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उसमें कोई समाधान नहीं निकला। इस मौके पर नगर पालिका कर्मचारी संघ के सभी कर्मचारी, सर्व कर्मचारी संघ के राज्य सचिन महेंद्र बोयत, नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य कैशियर महेंद्र सिंह सगेलिया, सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान कौशल कुमार यादव, महावीर प्रसाद, रमेश कुमार, भूपेंद्र सिंह, विक्रांत, निरंजन, प्रताप सिंह, भीमसिंह, राजेश, मनोज, आशु, अमित, विजय आदि मौजूद थे।

अटेली नगर पालिका कर्मचारियों की हड़ताल जारी

मंडी अटेली। नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों ने बकाया राशि को लेकर दूसरे दिन भी हड़ताल व धरना प्रदर्शन किया गया। कूड़े का उठान न होने से पूरा शहर कूड़े में अटा नजर आने लग गया है। सफाई कर्मचारियों ने पुरानी नगर पालिका के बाहर नारेबाजी करते हुए सरकार का विरोध किया। सफाई कर्मचारियों ने कहा जब तक उनकी बकाया राशि व प्रमुख मांगें नहीं मानते, तब तक धरना प्रदर्शन व हड़ताल जारी रहेगी। सफाई कर्मचारी धरने पर होने के कारण शहर में सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। जिससे जगह जगह गंदगी के ढेर लग गए है। जिससे आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के अनाज मंडी के पीछे, नये बस स्टैंड, रेलवे रोड, बाजार के मुख्य रास्ते सहित अन्य स्थानों पर गंदगी के ढेर लगे हुए है।

खबर संक्षेप

धर्मबीर सिंह देश के सर्वश्रेष्ठ सांसद घोषित

मंडी अटेली। भिवानी महेंद्रगढ़ के विकास को नए आयाम देने वाले

सांसद धर्मबीर सिंह ने एक बार फिर से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी कार्य क्षमता का लोहा मनवाया है। इस मौके पर सांसद को बधाई देते हुए भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप सराय ने बताया कि फेम इंडिया एशिया पोस्ट की ओर से की गई ताजा सर्वे में रेडमैन धर्मबीर सिंह को देश के कुल 794 सांसदों में से सर्वश्रेष्ठ मजबूत सांसद चुना गया है। सांसद धर्मबीर सिंह का चयन यह साबित करता है कि यदि प्रतिनिधि निष्ठा से कार्य करें, तो उसकी गूंज दिल्ली के गलियारों तक सुनाई देती है। यह गौरव केवल सांसद रेडमैन का नाम नहीं, बल्कि पूरे भिवानी महेंद्रगढ़ की जनता का है।

रावमा विद्यालय में एनएसएस कैंप सम्पन्न

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेका में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस कैम्प बुधवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार के नेतृत्व में आयोजित किए गए कैम्प में स्वयंसेवकों ने दैनिक क्रिया-कलाप, योगासन प्राणायाम, प्रभात फेरी व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्साह से हिस्सा लिया। स्वयंसेवकों ने विद्यालय में सभी कक्षा कक्ष की सफाई की। एडवोकेट धर्मेश जोशी ने स्वयंसेवकों का कानूनी ज्ञानवर्धन किया। प्रवक्ता सुरेंद्र सिंह ने मंच संचालन करते हुए स्वयंसेवकों को प्रेरणादाई बातें बताई। इस मौके पर प्राचार्य महेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, राकेश कुमार, सत्यवान सिंह, हिम्मत सिंह, हनुमान प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

समस्याओं के समाधान में भूमिका निभाएं स्वयंसेवकः बचनाईनाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सतनाली मंडी

गांव सुरेहती पिलानिया स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य योगी बचनाईनाथ ने कहा कि एनएसएस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन को समाज के प्रति समर्पित करने की प्रेरणा है। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे समाज की समस्याओं के समाधान में आगे बढ़कर भूमिका निभाएं। विशिष्ट अतिथि कै. रामकुवार आर्य ने स्वयंसेवकों को एनएसएस का महत्व बताया। एनएसएस प्रभारी विजय कुमार पारीक ने स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्य के बारे में जानकारी दी। प्राचार्या डॉ. संगीता के मार्गदर्शन में आयोजित कैंप में प्रिया पिलानिया व रिंकू पिलानिया को बेस्ट स्वयंसेवक चुना गया गया। इस मौके पर पूर्व नायब तहसीलदार मीरसिंह, पूर्व एसएमसी प्रधान सुबेसिंह सिंह, सरपंच राजेंद्र सिंह, रजनेश, मंजू, सुनील शर्मा, पवन कुमार उपस्थित रहे।

सतनाली मंडी। स्वयंसेवकों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि। फोटो : हरिभूमि

■ राजकीय महाविद्यालय के प्रांगण में मनाया जाएगा कार्यक्रम

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर एसडीएम ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

आगामी 26 जनवरी को उपमंडल स्तर पर मनाए जाने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की रूपरेखा तैयार करने के लिए बुधवार को एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपने कार्यालय में संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक ली। एसडीएम ने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह परंपरागत तरीके से राजकीय महाविद्यालय के प्रांगण में मनाया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि समारोह से जुड़ी सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि कार्यक्रम को गरिमामय ढंग से संपन्न किया जा सके। समारोह के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुरूआत प्रातः 09:50 बजे शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ होगी। इसके पश्चात 09:58 बजे मुख्य अतिथि का समारोह स्थल पर आगमन होगा और ठीक 10 बजे ध्वजारोहण व राष्ट्रगान होगा। कार्यक्रम के अगले चरणों में मुख्य अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण और जनता के नाम संबोधन होगा। इसके बाद मार्च पास्ट और विभिन्न विभागों की झाकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। अंत में स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी तथा प्रातः 11:30 बजे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया जाएगा।

कनीना। अधिकारियों की बैठक लेते एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। यजमान को स्मृति चिह्न भेंट करते मंडल सदस्य। फोटो : हरिभूमि

मोहल्ला फ्रांसखाना में किया सुंदरकांड पाठ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में मोहल्ला फ्रांसखाना नजदीक श्याम मंदिर के पास अनिल कुमार सोनी के निवास पर सुंदरकांड पाठ किया गया। आचार्य अश्वनी शर्मा ने यजमान से श्री गणेश व नवग्रह पूजा करवा बाबा की ज्योत प्रज्ज्वलित करवाई। गणेश वंदना, हनुमान चालीसा व रामधुन के साथ सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ किया। राजेश सोनी ने बाबा का भव्य दरबार फूलों व रंग बिरंगी लाइटों से सजाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल ने की। इस अवसर पर गौरीशंकर शर्मा, संजय शर्मा, विजय हल्दिया, राकेश गुप्ता, संजय अग्रवाल, अश्वनी शर्मा, काशीराम सैनी, नवीन जैन, चंचल संघं, नवीन बंसल आदि ने चौपाइयों का गायन किया। मंडल के कोषाध्यक्ष नवीन बंसल ने स्मृति चिह्न भेंट किया। इस मौके पर मास्टर गौतम, बिशन सोनी, उमाशंकर सोनी, रामानंद सैनी, कालू सोनी, प्रवेश अग्रवाल, चिंटू गुप्ता, प्रवीण चौधरी, नवीन भालोठिया, कालूराम, नवीन जैन, दीपक आदि मौजूद थे।

स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति, राष्ट्र सेवा एवं सामाजिक चेतना का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन सेवा, अनुशासन एवं सामाजिक जागरूकता की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। शिविर की शुरुआत प्रातः प्रभात फेरी से हुई, जिसमें स्वयंसेवकों ने नारों के माध्यम से नशा मुक्ति, राष्ट्र सेवा एवं सामाजिक चेतना का संदेश दिया। इसके उपरांत सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी मनोज जांगड़ा ने स्वयंसेवकों को मानसिक स्वास्थ्य एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रवीण गॉड ने शिविर में अनुशासन, सेवा भावना एवं सक्रिय सहभागिता के महत्व पर प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए।

महेंद्रगढ़। शिविर के दौरान उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

12 जनवरी से 12 फरवरी तक चलेगा सूर्य नमस्कार अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा में योग को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सूर्य नमस्कार का महोत्सव एक महीने तक आयोजित किया जाएगा। यह अभियान 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद जयंती से प्रारंभ होकर 12 फरवरी महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती तक चलेगा। इसी कड़ी में आयुष विभाग की ओर से योग सहायकों के लिए प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया, ताकि अभियान को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा सके। यह जानकारी देते हुए जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शशिबाला ने बताया कि अभियान के तहत जिले को न्यूनतम एक लाख पंजीकरण का लक्ष्य दिया गया है तथा 100 प्रतिशत गांवों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। मास्टर ट्रेनर्स को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है, जो विद्यालयों, महाविद्यालयों और योगशालाओं में सूर्य नमस्कार अभ्यास सुनिश्चित करेंगे। प्रतिदिन 10 से 15 मिनट में छह आवर्ती चक्रबद्ध सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया जाएगा। इसके अलावा जो प्रतिभागी व संस्थाएं लगातार छह दिन अभ्यास कर वेबसाइट पर अपडेट करेंगे।

बाल विवाह रोकने पर प्रशासन की रहेगी कड़ी नजर

नारनौल। जिले में किसी भी सूरत में बाल विवाह न होने पाए इसके लिए विशेष नजर रखी जा रही है। जिसके चलते जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी सरीता शर्मा की टीम की विशेष नजर रहेगी। खासतौर पर बाल विवाह अथवा इससे जुड़ी किसी भी तरह की गतिविधि पर नजर रखने के लिए टैण्ट हाउस संचालकों, फोटोग्राफर, डीजे साउंड, बैंड बाजा वालों, ब्यूटी पार्लर, धर्मशाला संचालकों, मैरिज पैलेस व कार्ड प्रिंटिंग मशीन संचालकों से सहयोग के लिए कहा गया हैकि वह ऐसे किसी भी कार्यक्रम में न तो भाग लें और इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें। अपने अपने दायरे के साथ विवाह में लड़का व लड़की के जन्म से सम्बंधित कागजात मंगवा कर देखें। जिसमें लड़के की आयु 21 वर्ष से कम व लड़की की आयु 18 वर्ष से कम पाई जाती है, तो कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

नारनौल। यजमान को स्मृति चिह्न भेंट करते मंडल सदस्य। फोटो : हरिभूमि

दयानगर में हुआ सुंदरकांड पाठ

नारनौल। धार्मिक संस्था श्रीराम हनुमान गुणगान प्रचार मंडल एवं श्रीराम मेहंदीपुर बालाजी सेवा संघ के तत्वावधान में मंगलवार रात निजामपुर रोड स्थित दयानगर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम जितेंद्र शर्मा व हिमांशु कौशिक ने यजमान खेमचंद शर्मा, मनीष शर्मा व मुकेश शर्मा से परिवार सहित पूजन करवा बाबा की ज्योति प्रज्ज्वलित करवाई। हनुमान चालीसा व रामधुन के साथ सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ किया गया। जिसमें महेश शर्मा, दीपक शर्मा, अजय शर्मा, राकेश कौशिक, दिनेश बारी व सुरेंद्र सैनी ने सुंदरकांड पाठ के दौहे व चौपाइयों का गायन किया। जिसमें गौरव म्यूजिकल ग्रुप के मास्टर सुनील ने संगीत की धुन से चार चांद लगा दिए। गायक यश ने आसरो बालाजी म्हाने थारो थे कष्ट निवारो व अजय शर्मा ने मैं के बोलू बालाजी थाने सब बांता का बेरा आदि भजन सुनाकर भक्तों को भाव विभोर कर दिया। इस मौके पर वैद्यकिशन वशिष्ठ, पवन शुक्ला, प्रेम शर्मा, खेमचंद शर्मा मौजूद रहे।

रेल सेवा समिति प्रधान ने जीआरपी को पत्र लिख की आवश्यक कार्रवाई की मांग

यात्रियों को वर्तमान में अत्यंत गंभीर समस्या का करना पड़ रहा सामना

रात के समय ट्रेनों में बोगियों के गेट नहीं खुलने से यात्री हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सतनाली मंडी

सतनाली रेलवे स्टेशन पर रात्रि में रुकने वाली ट्रेनों में बोगियों के गेट न खुलने से यात्री परेशान हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार प्रतिदिन सुबह लगभग 3:55 बजे श्रीगंगानगर से तिलक ब्रिज जाने वाली ट्रेन सतनाली रेलवे स्टेशन पर पहुंचती है, लेकिन कई बार बोगियों के गेट नहीं खोले जाते। इसके कारण प्लेटफार्म पर प्रतीक्षा कर रहे यात्री ट्रेन में चढ़ नहीं पाते और उनकी ट्रेन छूट जाती है। रेल सेवा समिति सतनाली के प्रधान दीवान सिंह शेखावत ने यात्रियों को हो रही इस समस्या को लेकर पुलिस चौकी इंचार्ज लोहारू को पत्र लिखकर समाधान की मांग की है। उन्होंने बताया कि सतनाली रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों को वर्तमान में एक अत्यंत गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है, जिससे न केवल यात्रियों की यात्रा प्रभावित हो रही है, बल्कि उनकी सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। प्रातः लगभग 3:55 बजे श्रीगंगानगर से तिलक ब्रिज जाने वाली ट्रेन सतनाली रेलवे स्टेशन पर आती है। इस ट्रेन में यह नियमित रूप से देखने में आ रहा है कि बोगियों के गेट नहीं खोले जाते, जिसके कारण स्टेशन पर प्रतीक्षा कर रहे यात्री ट्रेन में चढ़ ही नहीं पाते और उनकी ट्रेन छूट जाती है। स्थिति यह है कि ट्रेन के अंदर पीछे की ओर से आने वाले यात्री, बाहर खड़े यात्रियों की ओर से बार बार आवाज देने के बावजूद भी अंदर से दरवाजा नहीं खोलते। जैसे जैसे ठंड बढ़ रही है, यह समस्या और भी गंभीर होती जा रही है।

सतनाली मंडी। सतनाली रेलवे स्टेशन। फोटो : हरिभूमि

दरवाजा न खुलने के कारण छूट जाती है ट्रेन

इसके अतिरिक्त अर्धरात्रि में साप्ताहिक कामाख्या एक्सप्रेस भी सतनाली रेलवे स्टेशन पर आती है तथा हाल ही में सैनिक एक्सप्रेस के सतनाली ठहराव की भी घोषणा हो चुकी है, जो कि रात्रिकालीन ट्रेन है। यदि इन ट्रेनों में भी बोगियों के गेट नहीं खोले गए, तो यात्री यात्रा कैसे कर पाएंगे। यह एक गंभीर प्रश्न है। बहुत से यात्री अत्यंत आवश्यक कार्यों, इलाज, ड्यूटी अथवा अन्य मजबूरियों के कारण यात्रा करते हैं। ऐसे में यदि केवल दरवाजा न खुलने के कारण उनकी ट्रेन छूट जाती है, तो इससे बड़ी विडंबना तथा यात्रियों के साथ इससे बड़ा अन्याय और क्या हो सकता है। उन्होंने संबंधित रेलवे स्टाफ व एस्कॉर्ट को आवश्यक दिशानिर्देश जारी कर सभी आवश्यक बोगियों के गेट अनिवार्य रूप से खोलने की मांग की है, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके और भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

जौरासी धाम में प्रस्तावित श्रीराम कथा से समाज को कुरीतियां मिटाने व परोपकार का मिलेगा संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ निजामपुर

अमरपुर जौरासी धाम पर 23 जनवरी से 30 जनवरी तक श्रीराम कथा होगी। कथा का वाचन पदमविभूषण स्वामी श्रीरामभद्राचार्य करेंगे। कार्यक्रम में 100 से अधिक मठाधीश व दिग्गज राजनेता उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

आर्यव्रत सेवा व्यास के संस्थापक व उद्योगपति विनीत पिलानिया समारोह में बतौर संयोजक मौजूद रहेंगे। उक्त जानकारी गोरक्षक सुधीर चौधरी ने प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति पूरे विश्व की सिरमौर है। जिसमें समस्त जीव जंतु तथा जनसेवा भावना का समावेश है, लेकिन बीते 15 से 20 सालों से पश्चिमी देशों की संस्कृति का वर्चस्व बढ़ गया। जिसके प्रभाव से समाज में संगीन अपराध व अराजकता का माहौल उत्पन्न हो गया। समाधान के लिए धार्मिक ग्रंथों का प्रचार व धार्मिक अनुष्ठानों को प्राथमिकता देना जरूरी है।

इसी मकसद से आर्यव्रत सेवा व्यास संस्था के प्रधान विनीत पिलानिया ने जौरासी धाम पर श्रीराम कथा आयोजन का निर्णय लिया है। सात दिवसीय कार्यक्रम में पहले दिन भगवान शिव विवाह पर कथा वाचन होगा, दूसरे दिन श्रीराम जन्म व तीसरे दिन बाल लीलाओं पर व्याख्यान किया जाएगा। चौथे सीताराम विवाह, पांचवें दिन वन प्रस्थान व केवट चरित्र का वर्णन किया जाएगा।

ग्राम पंचायत मूसेपुर (रेवाड़ी)
ब्लॉक जाटूसाना जिला रेवाड़ी, Mob. No.: 9467838899

बोली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया पंचायत मूसेपुर में बीपीएल कॉलोनी वाला व कांकर बाली जोहड़ को 8 वर्ष के लिए मछली पालन हेतु पट्टे पर छोड़ने के लिए खुली बोली दिनांक 15.01.2026 को सुबह 11 बजे पंचायत घर मुसेपुर में छोड़ी जाएगी। बोली की शर्तें मौके पर सुना दी जाएगी। बोलीदाता को मूल्य 15000/- बतौर सिक्योरिटी जमा करानी होगी।

हस्ता/- सरपंच, ग्राम पंचायत मुसेपुर
ब्लॉक जाटूसाना (रेवाड़ी)

खबर संक्षेप

आईजीयू में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी आज से

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के अटल बिहारी वाजपेयी पुस्तकालय में 8 व 9 जनवरी को दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा शिक्षकों में पठन-पाठन की संस्कृति को प्रोत्साहित करना और नवीनतम शैक्षणिक, संदर्भ तथा सामान्य ज्ञान से संबंधित पुस्तकों को एक ही मंच पर उपलब्ध कराना है।

कैंसर रोगियों के लिए रक्तदान कैंप 11 को

कोसली। भाकली ग्राम पंचायत की ओर से रविवार 11 जनवरी को आम्बोली रोड़ पर स्थित सामुदायिक भवन में कैंसर रोगियों के लिए बाढ़सा एम्स के सहयोग से चतुर्थ रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। सरपंच श्याम सिंह ने बताया कि रक्त एकत्रित करने के लिए एम्स के डाक्टरों की टीम मौजूद रहेगी। ग्राम पंचायत ने युवाओं से ज्यादा से ज्यादा संख्या में इस पुनीत कार्य में भागीदारी का आह्वान किया है।

कॉलोनियों में गोवंश का दिनभर लगा रहता है जमावड़ा, लोग परेशान

शहर की सड़कों पर फिर बढ़ने लगे गोवंश, गोशालाओं में जगह नहीं

रेवाड़ी। महाराणा प्रताप चौक पर सड़क रोके खड़े गोवंश तथा नाईवाली चौक पर खड़े गोवंश। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर के सड़कों से लोगों को गोवंश से निजात दिलाने के लिए नगर परिषद की ओर से सुस्ती बरती जा रही है। गोशालाओं में जगह नहीं होने के कारण पिछले दो महीने से एजेंसी की ओर से गोवंश पकड़े नहीं जा रहे है, जिससे सड़कों पर गोवंश की संख्या काफी बढ़ गई है। शहर के सरकुलर रोड, बावल रोड व मुख्य बाजार सहित कॉलोनियों व मोहल्लों में हजारों की संख्या में गोवंश देखे जा सकते है। सड़कों पर घूमते गोवंश के कारण लोगों में हमेशा डर बना रहता है, क्योंकि सड़कों पर घूमते गोवंश दर्जनों से अधिक लोगों को अपना शिकार बनाकर घायल कर चुके है। शहर की सड़कों पर घूमती ज्यादातार गाय गो-पालकों की है, जिन्हें दूध निकालने के बाद सड़कों पर पेट भरने के लिए छोड़ दिया जाता है, जिसके बाद ये गोवंश हिंसक बनकर लोगों को अस्पताल पहुंचाने का काम करते है।

नगर परिषद की ओर से हर बार इन गोवंश को पकड़कर गोशालाओं में छोड़ दिया जाता है, लेकिन सड़कों पर फिर भी इन गोवंश की संख्या कम नहीं हो रही रही है।

प्रशासन भी पड़ा सुस्त

दर्जनों लोगों को घायल कर चुके गोवंश

शहर में हिंसक बने गोवंश गत वर्ष दर्जन से अधिक लोगों पर हमला करके चोटिल कर चुके है। शहर के नाईवाली चौक, महाराणा प्रताप चौक, ब्रास मार्केट, मोती चौक, पुरानी सब्जीमंडी व अनाजमंडी सहित कॉलोनियों, सेक्टर व मोहल्लों में दिन-रात गोवंश का जमावड़ा लगा रहता है। शहर में गोवंश की समस्या को लेकर डीसी अभिषेक मीणा ने नगर परिषद व अन्य विभागों के अधिकारियों को समस्या से निजात दिलाने के आदेश दे चुके है, लेकिन ये आदेश बैठक तक ही सीमित रह जाते है। शहर में अभी हजारों गोवंश सड़कों पर घूम रहे है, जबकि गोशालाओं में इन्हे रखने की क्षमता नहीं है। नगर परिषद की ओर से गोवंश पकड़ने के लिए फर्म को ठेका दिया हुआ है। गोशालाओं में जगह नहीं होने के कारण फर्म भी सुस्त पड़ी हुई है।

पशुपालकों पर नहीं कसा जा रहा शिकंजा

शहर की सड़कों पर घूमने वाली गायों में अधिकांश पशुपालकों की ही हैं। पशुपालक इनका दूध निकालने के बाद पेट भरने के लिए सड़कों पर छोड़ देते हैं। सड़कों पर खुले घूमने वाले सांड मौका मिलते ही राहगीरों पर हमला कर देते हैं। आपस में लड़ते हुए सांड कई वाहन चालकों को घायल कर चुके हैं। सड़कों पर बड़ी संख्या में घूमते गोवंश को देखकर गोशालाओं में भेजने के दावे फेल साबित हो रहे हैं। प्रशासन की ओर से पशुपालकों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। अवॉर्ड लेते हुए बैंक अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा ग्रामीण बैंक को टॉप डिस्बर्सिंग बैंक-आरआरबीका मिला सम्मान

रेवाड़ी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की ओर से हरियाणा ग्रामीण बैंक को कृषि अवसंरचना निधि के अंतर्गत टॉप डिस्बर्सिंग बैंक-आरआरबी के रूप में सम्मानित किया गया है। बैंक प्रबंधक विकास यादव ने कहा कि यह उपलब्धि बैंक की ओर से कृषि अवसंरचना परियोजनाओं को समयबद्ध ऋण उपलब्ध कराने एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है। हरियाणा ग्रामीण बैंक किसानों, एफपीओ व कृषि उद्यमियों को सशक्त बनाने में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी बैंक की ओर से कृषि क्षेत्र के सतत विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा।

रेवाड़ी। कैंप के समापन पर अतिथि का सम्मान करते हुए। फोटो: हरिभूमि

पीएमश्री स्कूल बोड़िया कमालपुर में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का समापन

रेवाड़ी। शहीद हरलाल पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बोड़िया कमालपुर में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय कैंप समापन हो गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में रामअवतार यादव रिटायर्ड ऑफिसर भारतीय नेवी ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि सेवा ही देश की प्रगति का आधार है, जिसमें एनएसएस के स्वयंसेवक अपनी सेवा भावना से बहुत योगदान दे सकते हैं। एनएसएस का जन्म ही देश सेवा के लिए हुआ है। उन्होंने एनएसएस के सभी स्वयंसेवकों की प्रशंसा की। विद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने सात दिवसीय शिविर के कार्यों का उल्लेख किया। स्वयंसेवकों ने विद्यालय को सुंदर, स्वच्छ, हरा-भरा बनाने में पूरा योगदान दिया। स्वयंसेवकों ने प्रभात फेरी निकालकर समाज में शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण, एकता, देशप्रेम व भाईचारे का संदेश दिया। प्राचार्य डा. हरिप्रकाश यादव ने अपने प्रभावशाली विचारों से स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया व बच्चों को सेवा के माध्यम से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर डा. रेखा शर्मा, रेणु, देवेन्द्र कुमार, रामअवतार व लोकेश दत्त शर्मा उपस्थित थे।

संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रशासनिक अधिकारियों से की शिष्टाचार भेंट

रेवाड़ी। जिले के अनेक संगठनों के प्रतिनिधियों ने डीसी अभिषेक मीणा, एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा व एडीसी राहुल मोदी से मुलाकात कर भारतीय संविधान उद्देशिका भेंटकर नववर्ष की शुभकामनाएं दी। संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रशासन को हर सम्भव सहयोग के लिए आश्वासन भी दिया। इस मौके पर माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था के प्रधान बीआर पंवार, रिटायर्ड कर्मचारी संघ जिला ईकाई प्रधान रामेश्वर दयाल शर्मा, किसान विकास समिति प्रधान कुलदीप सिंह यादव, जाट धर्मशाला के वित्तीय प्रबंधक धनखड़, रोहिल्ला समाज प्रधान सतीश रोहिल्ला, रामबीर यादव प्रधान यादव कल्याण समिति, जाटव सभा से हरिकिशन, रामौतार छावड़ी पूर्व नगर पार्षद, रमेश सैन, एडवोकेट रामपाल मेहरा, एडवोकेट राजकुमार जलवा, सामाजिक कार्यकर्ता मास्टर किशोरी लाल, मुरारी लाल, राजपाल यादव कोषाध्यक्ष रिटायर्ड कर्मचारी संघ, जांगिड़ ब्राह्मण समाज से सत्यवीर जांगिड़, कवि देशराज आर्य व विकास छावड़ी सहित अखिल भारतीय मानव कष्ट निवारण समिति, सेवा स्तंभ, हजरस, भीम आर्मी, गुरु रविदास होस्टल, धानक कबीर बगीची व महर्षि वाल्मीकि आश्रम के प्रतिनिधि मौजूद थे।

पुलिस ने रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए चलाया सर्च अभियान

रेवाड़ी। जिला पुलिस व स्वेत टीम ने बुधवार को थाना जाटूसाना, सदर व रोहड़ाई क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए सर्च अभियान चलाया। पुलिस टीम ने ईंट-भट्ठों सहित झुग्गी-झोपड़ियों, होटल, पोल्ट्री फार्म व अन्य संदिग्ध स्थानों पर अवैध तरीके से रहने वाले बांग्लादेशी, विदेशी नागरिक, रोहिंग्या व संदिग्ध लोगों की जांच की। पुलिस टीम ने वहां पर रह रहे बाहरी श्रमिकों के पहचान पत्र व वाहनों के कागजातों की भी जांच की। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिले में अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है। बाहरी लोगों की पहचान के लिए जिला पुलिस का सर्च अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। जिले में जो भी लोग बाहर से आकर रह रहे हैं, उनकी पहचान होना अत्यंत आवश्यक है। एसपी ने सभी थाना प्रबंधकों को अपने-अपने क्षेत्र में अप्रवासी रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करके उनको वापस भेजने की प्रक्रिया अमल में लाने के निर्देश दिए।

सीएम स्कूल सौंदर्यीकरण योजना में परखोत्तमपुर व कुमरोधा विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जाटूसाना

मुख्यमंत्री स्कूल सौंदर्यकरण योजना के अंतर्गत खंड जाटूसाना के राजकीय विद्यालयों की ओर से आवेदन प्रस्तुत किए गए। आवेदनों के आधार पर ओर से चयन प्रक्रिया प्रारंभ की गई। समिति की ओर से खंड जाटूसाना के विभिन्न विद्यालयों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में साफ-सफाई व्यवस्था, सौंदर्यकरण की स्थिति, कक्षा-कक्षों की स्वच्छता, शौचालयों की व्यवस्था, कचरा निस्तारण प्रणाली, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता एवं वितरण, पेयजल व्यवस्था, बैठने की सुविधा, शैक्षणिक वातावरण तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही। एसडीएम रेवाड़ी, सीडीपीओ, खंड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डहीना व मुख्याध्यापक राजकीय कन्या उच्च विद्यालय बेरली कलां थे। खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार ने परिणाम जारी किए। उन्होंने बताया खंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालयों को 50,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना विद्यालयों में स्वच्छ, सुरक्षित एवं प्रेरणादायक शैक्षणिक वातावरण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इन विद्यालयों का चयन

प्राथमिक स्तर: राजकीय प्राथमिक विद्यालय परखोत्तमपुर प्रथम तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय करावरा मानकपुर द्वितीय स्थान।
मिडिल स्तर: राजकीय मिडिल विद्यालय कुमरोधा प्रथम तथा राजकीय मिडिल विद्यालय कुतुबपुरी बुजुर्ग द्वितीय स्थान।

धूमधाम से मनाया वार्षिक उत्सव

रेवाड़ी। महर्षि दयानंद सरस्वती गोशाला नांगलिया रणमौख में वार्षिक उत्सव व ब्रह्माचार्य जीवानंद नैष्टिक की प्रथम पुण्यतिथि पर हवन का आयोजन किया गया। इस मौके पर ब्रह्मचारी विजयपाल आचार्य गुरुकुल झज्जर ने कहा कि स्वामी जीवानंद नैष्टिक एक चलती फिरती संस्था थी, जिन्होंने सनातन धर्म, गोमाता, शिक्षा व समाज के लिए अपना जीवन लगा दिया। नागंलिया रणमोख गोशाला के संचालक व संस्थापक नैष्टिक ने गोमाताओं की अद्वितीय सेवा की। आज सभी उनके बताए मार्ग पर चलने का प्रयास कर रहे हैं। रविंद्र आशावादी संयोजक बलिदानी गोरक्षक देवेंद्र यादव सरपंच सम्मान समिति ने कहा कि विश्व का पहला गोरक्षक चौक का शिलान्यास किया जा चुका हैं। चौक बनने पर ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर भजन उपदेशकों ने गोमाता व शहीदों के प्रेरणादायक भजनों द्वारा उपदेश दिया।

पीड़ित व्यक्ति को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें, पुलिस करेगी पूरा सहयोग : रामपाल

- गांव परखोतमपुर, जाटूसाना व सुमाखेडा में ग्रामीणों से सम्पर्क कर नशा छोड़ने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए पुलिस टीम। फोटो: हरिभूमि

जिला पुलिस की नशा मुक्त टीम ने बुधवार को निरीक्षक रामपाल के नेतृत्व में गांव परखोतमपुर, जाटूसाना व सुमाखेडा में ग्रामीणों से सम्पर्क कर गांवों को नशा मुक्त करने तथा युवओं को नशे से दूर रखने को लेकर विचार-विमर्श किया। नशामुक्ति टीम ने बुधवार को एक नशा पीड़ति व्यक्ति की काउंसलिंग करव0ाकर रेवाड़ी के डी एडिक्शन सेंटर में भी भर्ती कराया। नशा मुक्ति टीम ने अब तक नशे से पीड़ति 186 लोगों की पहचान की है तथा 61 नशा पीड़तिों का इलाज कराया है।

निरीक्षक रामपाल ने कहा कि पुलिस और आमजन अगर आपस में तालमेल के साथ कार्य करें तो नशे जैसी बुराई पर नियंत्रण पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा। उन्होंने कहा कि नशा एक अभिशाप है, सभी इसका मिलकर बहिष्कार करें। उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास किसी प्रकार की नशे संबंधी सूचना है, कोई व्यक्ति नशे का प्रयोग करता है या नशे की सप्लाई इत्यादि करता है तो इस बारे पुलिस को मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 या 112 नंबर पर सूचित करे। उन्होंने गांव के नौजवानों और बच्चों से अपील करते हुए कहा कि सभी नशे के विरुद्ध इस युद्ध में पुलिस का सहयोग करे। गांव में किसी भी परिवार में कोई भी व्यक्ति नशे का सेवन करता है तो उसे नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें, जिला पुलिस इसमें पूरा सहयोग करेगी।

नशीला पदार्थ सुल्फा उपलब्ध कराने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। रोहड़ाई थाना पुलिस ने अवैध नशीला पदार्थ सुल्फा उपलब्ध कराने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जिला झज्जर के गांव न्यौला निवासी सूरजपाल उर्फ ताऊ के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत वर्ष 4 दिसम्बर को पुलिस को सूचना मिली थी की मोहित उर्फ छोटू निवासी गांव गाधला गांव कन्हौरी की चौपाल के पास सुल्फा बेचने के लिए आया हुआ है। सूचना पर पुलिस ने मौके से आरोपी को काबू कर लिया। आरोपी के कब्जे से 10.75 ग्राम नशीला पदार्थ सुल्फा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नशीला पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी मोहित उर्फ छोटू ने बताया की उसे अवैध नशीला पदार्थ सुल्फा गांव न्यौला निवासी सूरजपाल उर्फ ताऊ ने उपलब्ध कराया था।

अलग-अलग मामलों में चार अपराधियों पर कसा शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से पीओ व बेल जंपर की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में अदालत की ओर से उद्घोषित किए चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। बावल थाना पुलिस ने चेक बाउंस के मामले में पीओ गांव तिहाड़ा निवासी आशीष को काबू किया है। आरोपी मामले में अदालत में पेश नहीं हो रहा था, जिस पर अदालत ने उसे पीओ घोषित कर दिया था। वहीं बावल थाना पुलिस ने वर्ष 2014 में दर्ज अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में अदालत से उद्घोषित किए आरोपी राजस्थान के जिला खैरथल तिजारा गांव टोडरमल की ढाणी निवासी किस्मत को गिरफ्तार किया है। इनके अलावा मॉडल टाउन थाना पुलिस ने चेक बाउंस के मामले में अदालत की ओर से उद्घोषित किए गए जिला महेंद्रगढ़ के गांव मोहनपुर निवासी युद्धवीर सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी मामले में अदालत में पेश नहीं हो रहा था, जिस पर अदालत ने उसे पीओ घोषित कर दिया था। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अलग से अभियोग भी दर्ज किया था। अगले मामले में पुलिस के पीओ स्टाफ ने थाना शहर में वर्ष 2018 में दर्ज एक्सीडेंट के एक मामले में पीओ गांव जलालपुर निवासी पुष्कर को काबू किया है।

84 लाख योनियों के पश्चात मिलता मानव जीवन

रेवाड़ी। वीर भगत सिंह युवा दल की ओर से बुधवार को आशियाना वृद्धाश्रम बाबा फरीद सेवा ट्रस्ट परिसर में संस्कार निर्माण का कार्यक्रम मानुष जन्म अनमोल का आयोजन किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश राजपाल व युवा दल के प्रधान दिनेश कपूर ने कहा कि 84 लाख योनियों के पश्चात दुर्लभ मानव जीवन का सुअवसर हमें मिलता है। इसमें प्राणी मात्र का एकमात्र लक्ष्य प्रभु प्राप्ति ही है। महाभारत के युद्ध की घोषणा के बाद अर्जुन और दुर्योधन दोनों भगवान श्रीकृष्ण के पास मदद मांगने गए। भगवान श्रीकृष्ण उस समय अपनी शैया पर विश्राम कर रहे थे। अर्जुन वहां पहुंच कर उनके चरणों की ओर बैठ गया। दुर्योधन अभिमान वश उनके सिर की ओर बैठ गया। भगवान श्रीकृष्ण ने जब आंखें खोली तो अर्जुन को अपने सामने बैठे हुए देखा।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद बुजुर्ग व संस्था के सदस्य।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

ज्ञापन करीब ढाई एकड़ से ऊपर भूमि पर बना है तालाब, अधिकांश पर लोगों का अवैध कब्जा

रामतलाई तालाब को कब्जा मुक्त करने की उठाई मांग

- डीसी अभिषेक मीणा को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कुतुबपुर स्थित ऐतिहासिक राम तलाई तालाब तथा डीसी को ज्ञापन सौंपते हुए प्रतिनिधिमंडल। फोटो: हरिभूमि

सामाजिक संस्था हिंदुस्तान फर्स्ट के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को डीसी अभिषेक मीणा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर शहर के कुतुबपुर स्थित ऐतिहासिक रामतलाई तालाब को कब्जा मुक्त करके भव्य रूप से विकसित करने की मांग की।

उन्होंने बताया कि राम तलाई तालाब एक ऐतिहासिक धरोहर है,जोकि शहर व सनातनी समाज के गौरव का अहम हिस्सा है,जिसका क्षेत्रफल सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार 13763 वर्ग गज यानि करीब ढाई एकड़ से ऊपर है और काफी लंबे समय से उपेक्षित हालत में है। इसके काफी क्षेत्र पर लोगों ने अवैध कब्जे किए हुए है, जिनके खिलाफ विभिन्न स्तर पर शिकायत भी की गई। हाल ही में नगर परिषद की ओर से पैमाइश की गई थी, लेकिन उसकी अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं आई है। रिपोर्ट आने से पहले ही नगर परिषद जल्दबाजी में कुछ योजना बनाकर कोई विकास कार्य शुरू कर रही है, लेकिन अवैध कब्जों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भाजपा सरकार आने के बाद जिस प्रकार से सोलराही तालाब व बड़ा तालाब को भव्य रूप से विकसित किया गया है। उसी प्रकार इस ऐतिहासिक राम तलाई तालाब को भी विकसित किया जाए। प्रतिनिधि मंडल में मुकेश गोकल, नवीन सैनी, संजीव स्वामी, महेन्दर सिंह, गिरधारी लाल व यशपाल शामिल थे।

कोई पुख्ता पैमाइश रिपोर्ट नहीं आई

संस्था के सदस्य रतनलाल सैनी ने बताया कि वह लंबे समय से नगर परिषद और तहसीलदार, मंत्रियों से इस ऐतिहासिक धरोहर को बचाने और कब्जा मुक्त करने के लिए प्रयास कर चुके हैं, लेकिन नगर परिषद के बार-बार तहसीलदार को पत्र लिखकर पैमाइश का अनुरोध करने पर भी कोई पुख्ता पैमाइश रिपोर्ट नहीं आई है।